अंतर-सरकारी वार्ता समिति: UNEP

प्रिलिम्स के लिये:

अंतर-सरकारी वार्ता समिति, UNEP, UNEA, मिनामाता कन्वेंशन, प्लास्टिक प्रदूषण, EPR

मेन्स के लिये:

अंतर-सरकारी वार्ता समिति

चर्चा में क्यों?

हाल ही में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) की अंतर-सरकारी वार्ता समिति (INC-2) का दूसरा सत्र पेरिस, फ्राँस में आयोजित हुआ।

- अंतर-सरकारी वार्ता समिति (INC-1) का पहला सत्र वर्ष 2022 में उरुग्वे में संपन्न हुआ।
- INC-2 का उद्देश्य **प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त** करने के लिये वैश्विक समझौते पर वार्ता के लिये **मंच प्रदान करना** है ताकि पारिस्थितिकी तंत्र, प्रजातियों और मानवता को रैखिक प्लास्टिक अर्थव्यवस्था के गंभीर प्रभावों से बचाया जा सके।

INC-2 बैठक की मुख्य विशेषताएँ:

- INC-2 का **प्राथमिक एजेंडा प्रक्रिया के नियमों को अपनाना** था। ये नियम विभिन्न पहलुओं जैसे कि **बातचीत की प्रक्रिया, निर्णय लेने की प्रक्रिया** (सर्वसम्मति या मतदान) और **निर्णय लेने के लिये अधिकृत संस्थाओं** को नियंत्रित करते हैं।
- पिछली INC-1 बैठक के दौरान **नियम 37** का एक हिस्सा, जिसमें कहा गया था कि **"प्रत्येक सदस्य के पास एक वोट होगा,"** को **असहमति** का संकेतक मानते हुए कोष्ठक में रखा गया था।
    - कोष्ठक वाले हिस्से में अब मिनामाता अभिसमय **के प्रावधान शामिल** हैं जो **क्षेत्रीय आर्थिक एकीकरण संगठनों (जैसे यूरोपीय संघ) को अपने सदस्य राज्यों की ओर से मतदान करने की अनुमति देता है** । हालाँकि सदस्य राज्यों को मतदान के दौरान या समिति के भाग के रूप में उपस्थित होना चाहिये।
- **भारत ने लगातार नियम 38 को कोष्ठक में रखने पर ज़ोर दिया है,** जिसमें कहा गया है, "समिति सभी मामलों पर आम सहमति से समझौते तक पहुँचने का हरसंभव प्रयास करेगी।
    - **यदि आम सहमति तक पहुँचने के सभी प्रयास समाप्त हो गए हैं** और कोई समझौता नहीं हुआ है, तो अंतिम उपाय के रूप में उपस्थिति एवं मतदान करने वाले **सदस्यों के दो-तिहाई बहुमत द्वारा निर्णय** लिया जाएगा।
- OEWG (ओपन-एंडेड वर्किंग ग्रुप) के गठन से मूल मामलों पर संपर्क समूहों में चर्चा शुरू होने में देरी हुई है।
    - UNEA प्रस्ताव 5/14 में सभा ने बातचीत के लिये आधार तैयार करने हेतु **एक तदर्थ ओपन-एंडेड वर्किंग ग्रुप (OEWG)** को अनिवार्य कर दिया।

अंतर-सरकारी वार्ता समिति (INC):

- **परिचय:**
    - INC की स्थापना फरवरी 2022 में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सभा (UNEA-5.2) के 5वें सत्र में हुई थी।
    - वर्ष 2024 के अंत तक वार्ता को पूरा करने की महत्त्वाकांक्षा के साथ समुद्री पर्यावरण सहित प्लास्टिक प्रदूषण पर **एक अंतर्राष्ट्रीय कानूनी रूप से बाध्यकारी उपकरण विकसित करने के लिये** एक ऐतिहासिक संकल्प (5/14) को अपनाया गया था।
- **आवश्यकता:**
    - प्लास्टिक प्रदूषण का तेज़ी से बढ़ता स्तर एक गंभीर वैश्विक पर्यावरणीय मुद्दे का प्रतिनिधित्व करता है जो सतत् विकास के **पर्यावरणीय, सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य** आयामों पर **नकारात्मक प्रभाव** डालता है।
    - **आवश्यक हस्तक्षेपों के अभाव में जलीय पारिस्थितिकि** तंत्र में प्रवेश करने वाले प्लास्टिक कचरे की मात्रा वर्ष 2016 में **लगभग 9–14 मिलियन टन प्रतिवर्ष से बढ़कर वर्ष 2040 तक अनुमानित 23–37 मिलियन** टन प्रतिवर्ष हो सकती है।

- **उद्देश्य:**
  - कानूनी रूप से **बाध्यकारी समझौते के तहत देशों से अपेक्षा की जाएगी कि वे साधन के उद्देश्यों में योगदान करने के लिये देश-संचालित** दृष्टिकोणों को दर्शाते हुए राष्ट्रीय कार्ययोजनाओं को विकसित, कार्यान्वित और अद्यतन करें।
  - उनसे **प्लास्टिक प्रदूषण की रोकथाम, कमी और उन्मूलन की दिशा में काम करने तथा क्षेत्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सहयोग का समर्थन** करने के लिये राष्ट्रीय कार्ययोजनाओं को बढ़ावा देने की उम्मीद की जाएगी।

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सभा:

- यह **संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम** का शासी निकाय है।
- यह पर्यावरण पर दुनिया की सर्वोच्च स्तर की निर्णय लेने वाली संस्था है।
- **यह सभा 193 संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों से बनी है और वैश्विक पर्यावरण शासन** को आगे बढ़ाने हेतु प्रत्येक दो वर्ष में बैठक करती है।
- इसे जून 2012 में सतत् विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन के दौरान बनाया गया था, **जिसे RIO+20 भी कहा जाता है।**

प्लास्टिक प्रदूषण से निपटने हेतु पहल:

- **भारतीय पहल:**
  - प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन संशोधन नियम, 2022
  - विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व **(EPR)**
  - एकल उपयोग प्लास्टिक के उन्मूलन और प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन पर राष्ट्रीय डैशबोर्ड
  - इंडिया प्लास्टिक पैक्ट
  - प्रोजेक्ट रिप्लान
- **वैश्विक:**
  - एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक पर यूरोपीय संघ का निर्देश
  - क्लोज़िंग द लूप
  - द ग्लोबल टूरिज़्म प्लास्टिक इनिशिएटिव

स्रोत: डाउन टू अर्थ

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/intergovernmental-negotiating-committee-unep